मैं सबसे छोटी होऊं (कविता)

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न उत्तर

1. कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है?
   उत्तर- कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना इसलिए की गई है क्योंकि बचपन के दिन बड़े सुखद होते हैं। बचपन में मां अपने हाथों से खिलाती है, सजाती संवारती है तथा अपने साथ सदा लेकर घूमने जाती हैं।बचपन में किसी चीज की चिंता नहीं रहती और न हीं किसी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

2. कविता में "ऐसी बड़ी न होऊं मैं" क्यों कहां गया है? क्या तुम भी हमेशा छोटे बने रहना पसंद करोगे?
   उत्तर- कविता में"ऐसी बड़ी ना होऊं मैं" कवि ने छोटी लड़की के मुख से इसलिए कहलवाया है क्योंकि बड़े हो जाने के बाद मां के प्यार को खो देना पड़ता है।बड़े हो जाने के बाद मां अपने हाथों से नहीं खिलाती है और ना ही अपने साथ घुमाने ले जाती है ।मां अपने गोदी में सुलाकर परियों की सुखद कहानी नहीं सुनाती । छोटी लड़की कहती है कि वह इतनी बड़ी होना नहीं चाहती कि उसे अपने मां के स्नेह और दुलार को खो देना पड़े।

   हां मैं भी सदा छोटी बनी रहना चाहती हूं और मां के प्यार को कभी ना खोना चाहती हूं।

3. आशय स्पष्ट करो
   हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
   साथ नहीं फिरती दिन रात!

आशय-इन पंक्तियों में छोटी लड़की अपनी मां से कहती है कि हमें बड़ा बना कर तू हमारे हाथ पकड़ कर हमें लेकर फिर घुमाने नहीं ले जाएगी। बड़ा बनाकर हमें प्यार दुलार नहीं करेगी। हमें बड़ा बना कर तू हमसे दूर हो जाएगी।

इन पंक्तियों में कवि को भी अपने बचपन की सुखद स्मृतियां और मां का स्नेह याद आता है।

4. अपने छुटपन में बच्चे अपनी मां के बहुत करीब होते हैं। इस कविता में नजदीकी की कौन-कौन सी स्थितियां बताई गई है?
   उत्तर-इस कविता में मां के साथ बच्चे की नजदीकी की कई स्थितियां बताई गई है-
   *बच्चे का मां की गोदी में सोना और परियों की सुखद कहानियों को सुनना।
   *मां के हाथों से भोजन करना।
   * मां का अपने बच्चे को सजाना संवारना और हाथ पकड़ कर घुमाने ले जाना।
   *मां का चांदनी रात में अपने बच्चे को गोदी में सुला कर चंद्रोदय को दिखाना।